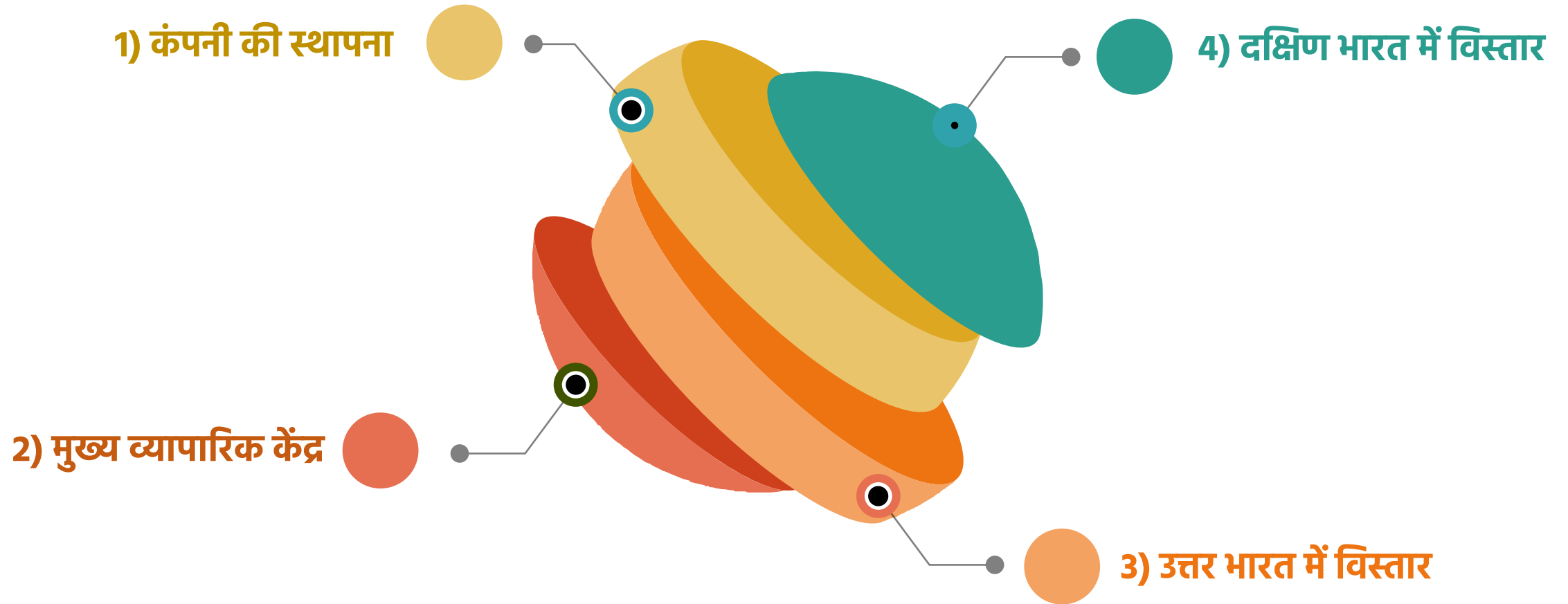
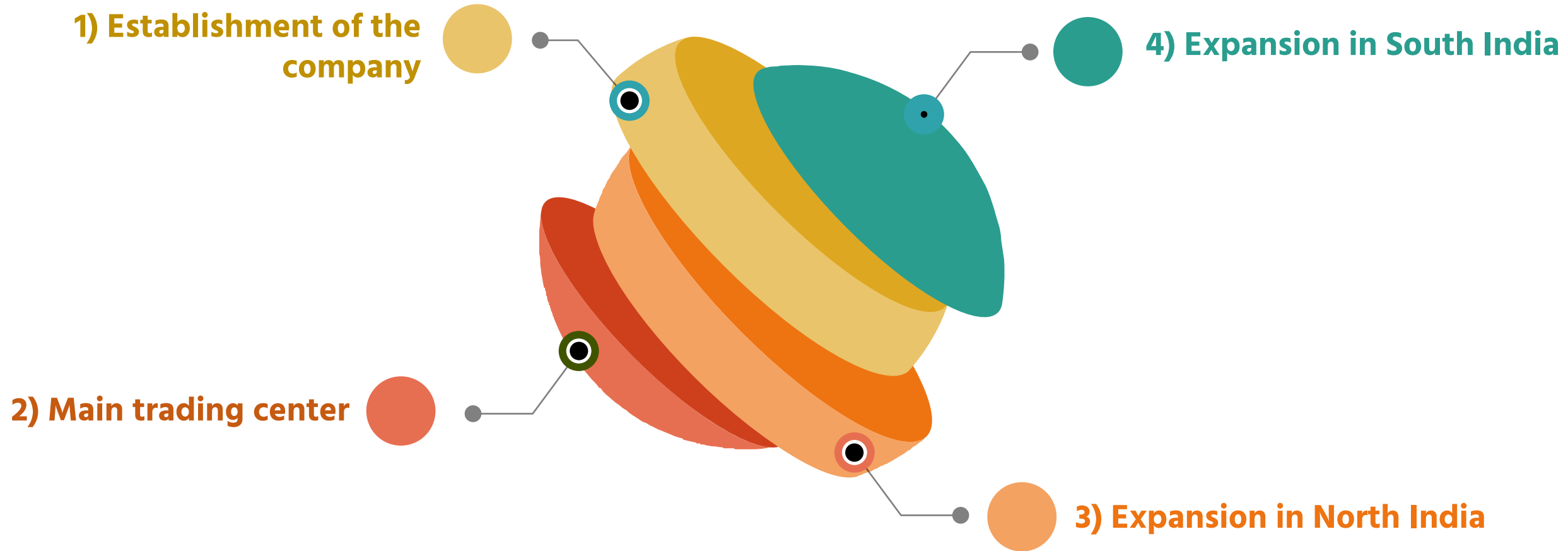


## 6) अंग्रेज || Britisher



## 6) Britisher



1588

- स्पेन और पुर्तगाल की नौसेना (आरमेडा) को अंग्रेजों ने हराया

1597

- जॉन मिलडेन हॉल स्थल मार्ग से भारत आने वाला प्रथम अंग्रेज

1600

- गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेन्ट ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडिया की स्थापना

1600

- ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने कंपनी को पूर्वी व्यापार हेतु 15 वर्षों का एकाधिकार दिया

1608

- कैप्टन हॉकिंस रेड ड्रैगन नामक जहाज से सूरत पहुंचा

1609

- महाराजा जेम्स प्रथम ने पूर्वी व्यापारिक एकाधिकार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया

1611

- दक्षिण में मसूलीपट्टनम में प्रथम फैक्ट्री की स्थापना

1612

- अंग्रेजों तथा पुर्तगालियों के मध्य स्वैली होल का युद्ध

1613

- जहांगीर ने अंग्रेजों को सूरत में फैक्ट्री खोलने की अनुमति दी

1615

- जेम्स प्रथम ने टॉमस रो को जहांगीर से मिलने भेजा

1632

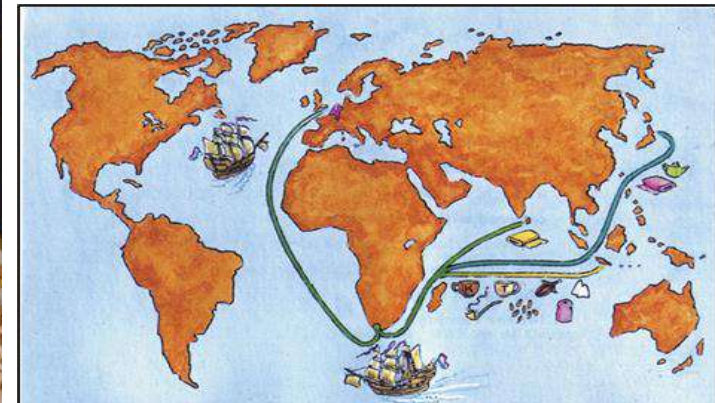
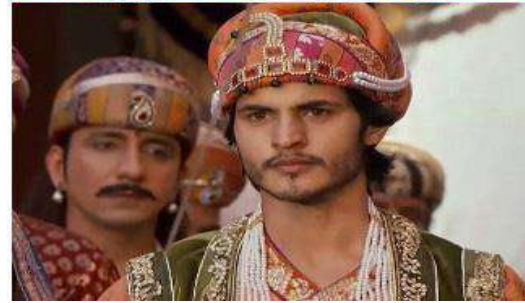
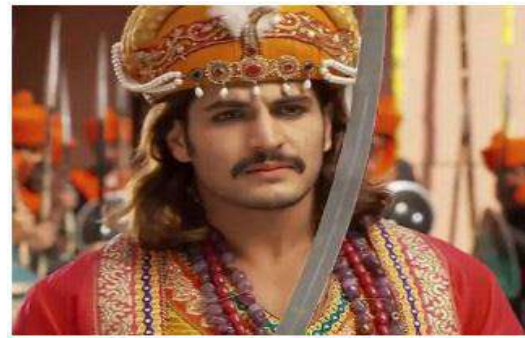
- गोलकुंडा के सुल्तान द्वारा सुनहरा फरमान दिया गया

1633

- पूर्वी भारत में अंग्रेजों ने अपना पहला कारखाना उड़ीसा में खोला

1639

- अंग्रेजों ने चंद्र नगर के राजा से मद्रास को पट्टे पर लिया



1588

- The Spanish and Portuguese Navy (Armeda) were defeated by the British

1597

- John Mildenhall first Englishman to come to India by land route

1600

- Establishment of Governor and Company of Merchants of London Trading into the East Indies

1600

- Britain's Queen Elizabeth granted the Company a 15-year monopoly on Eastern trade

1608

- Captain Hawkins reached Surat by a ship called Red Dragon

1609

- King James I extended the Eastern trading monopoly for indefinite time.

1611

- Establishment of the first factory at Masulipatnam in the South

1612

- Battle of Swally (suvali) between the British and the Portuguese

1613

- Jahangir allowed the British to open a factory in Surat

1615

- James I sent Thomas Roe to meet Jahangir

1632

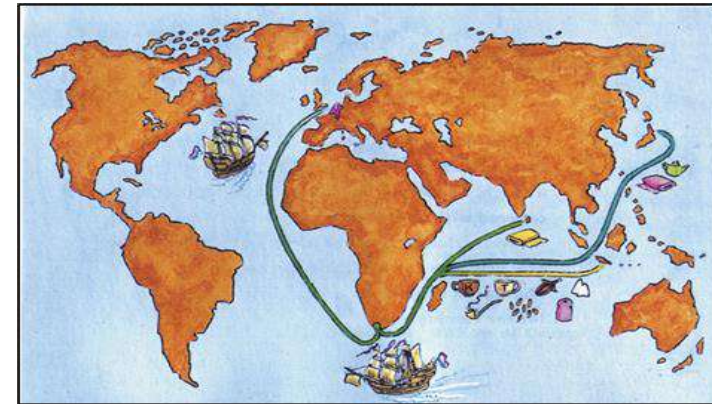
- Golden decree given by the Sultan of Golconda

1633

- The British opened their first factory in Orissa in Eastern India.

1639

- The British leased Madras from the Raja of Chandra Nagar.





1640

- मद्रास में फोर्ट सेंट जॉर्ज की स्थापना

1651

- ब्रिजमैन द्वारा हुगली में फैक्ट्री की स्थापना

1667

- औरंगजेब ने अंग्रेजों को बंगाल में व्यापार करने हेतु फरमान जारी किया

1661

- चार्ल्स द्वितीय ने कंपनी को मुद्रा, न्याय और संधि का अधिकार दिया व गवर्नर नियुक्त करने का अधिकार भी मिला

1662

- चार्ल्स द्वितीय का पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन से विवाह

1668

- चार्ल्स द्वितीय ने 10 पौंड वार्षिक किराए पर कंपनी को बम्बई दिया

1677

- गेराल्ड अंगियार ने मुंबई नगर की नींव डाली

1686

- औरंगजेब ने अंग्रेजों को हराया जिस कारण उन्हें फुल्टा द्वीप जाना पड़ा

1687

- मुख्यालय सूरत से मुंबई लाया गया

1698

- बंगाल के सूबेदार अजीमुशान ने अंग्रेजों को कालिकाता, सुतानती और गोविंदपुर की जमीनदारी दी

1700

- जॉब चरनॉक ने कोलकाता की स्थापना की तथा फोर्ट विलियम भी बनाया

1715

- जॉन शर्मन के नेतृत्व में ब्रिटिश मंडल मुगल बादशाह फर्रुखसियर से मिला ( डॉक्टर विलियम हैमिल्टन)

1717

- फर्रुखसियर द्वारा शाही फरमान या मैग्राकार्टा जारी किया गया



St. George Fort in Chennai



1640

- Establishment of Fort St. George in Madras

1651

- Establishment of factory in Hooghly by Bridgeman

1667

- Aurangzeb issued a decree (Farman) to the British to trade in Bengal

1661

- Charles II gave company right of currency, justice, treaty and to appoint a governor.

1662

- The marriage of Charles II to the Portuguese princess Catherine

1668

- Charles II gave Bombay to the Company at an annual rent of £10

1677

- Gerald Aungier laid the foundation of the city of Mumbai

1686

- Aurangzeb defeated the British due to which he had to go to Fulta Island

1687

- Headquarters moved from Surat to Mumbai

1698

- Subedar Ajimushshan of Bengal gave land holdings of Kalikata, Sutanuti and Govindpur

1700

- Job Charnock founded Kolkata and also built Fort William

1715

- British delegation under leadership of John Sherman met Mughal emperor Farrukhsiyar (Dr. William Hamilton)

1717

- The royal decree or Magna Carta issued by Farrukhsiyar



St. George Fort in Chennai





1813

- कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार को कम किया गया

1833

- कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार की समाप्ति

1858

- कंपनी के प्रशासनिक एकाधिकार की समाप्ति

1874

- ईस्ट इंडिया कंपनी को बंद किया गया



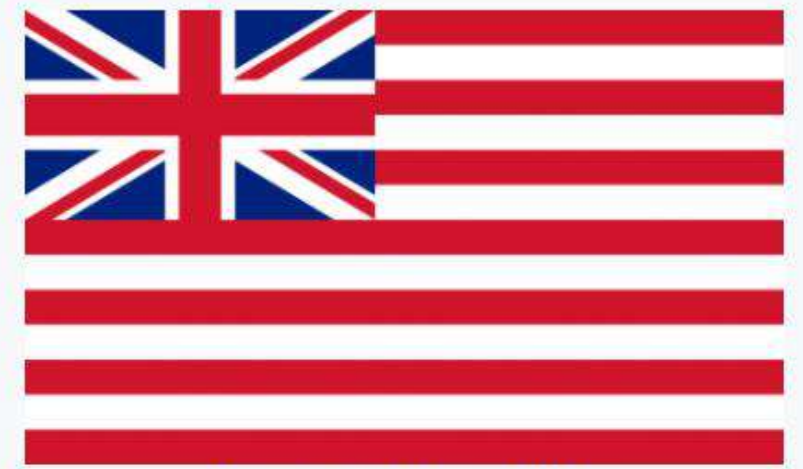
Robert Clive became the first British Governor of Bengal after he had instated Mir Jafar as the Nawab of Bengal



An East India Company coin, struck in 1835



An English soldier apologising to Emperor Aurangzeb.



Company flag (1801)



Coat of arms (1698)



1813

- Trading monopoly of Company was reduced

1833

- Trading monopoly of Company was ended.

1858

- End of the administrative monopoly of the company

1874

- East India Company was closed



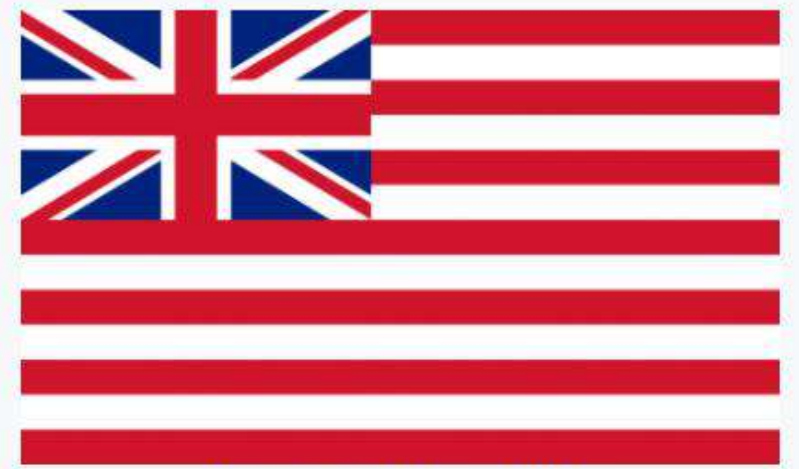
Robert Clive became the first British Governor of Bengal after he had instated Mir Jafar as the Nawab of Bengal



An East India Company coin, struck in 1835



An English soldier apologising to Emperor Aurangzeb.



Company flag (1801)



Coat of arms (1698)



# 1) कंपनी की स्थापना || Establishment of company

## Governor and Company of Merchants of London Trading into the East-Indies

गठन :-  
31 दिसंबर 1600

संस्थापक :-  
जॉन वॉट व थॉमस  
स्मिथ

प्रथम गवर्नर :-  
थॉमस स्मिथ

निजी कंपनी -  
निदेशक मंडल(24)  
द्वारा संचलित

प्रथम केंद्र :- सूरत  
(1608)

1600 में महारानी  
एलिजाबेथ द्वारा 15  
वर्ष व 1609 में राजा  
जेम्स प्रथम द्वारा  
अनिश्चित काल हेतु  
पूर्वी व्यापारिक  
एकाधिकार

1) भारत में :-  
■ अकबर (1542-1605)  
■ जहाँगीर (1605-1625)

2) उद्देश्य :- एशियाई व्यापार द्वारा लाभ अर्जन

3) अन्य तथ्य :-

- 1) दक्षिण भारत में प्रथम केंद्र - मसूलीपटनम
- 2) प्रारंभिक मुख्यालय - सूरत



Sanjiv Mehta

# 1) Establishment of company

## Governor and Company of Merchants of London Trading into the East-Indies

Formation :-  
31 December  
1600

Founded by :-  
John Watt and  
Thomas Smith

First Governor :-  
Thomas Smith

Private  
Company - Run  
by Board of  
Directors (24)

First Center :-  
Surat (1608)

Monopoly for  
trading in East  
for 15 years by  
Queen  
Elizabeth in  
1600 and for  
indefinitely by  
King James I in  
1609

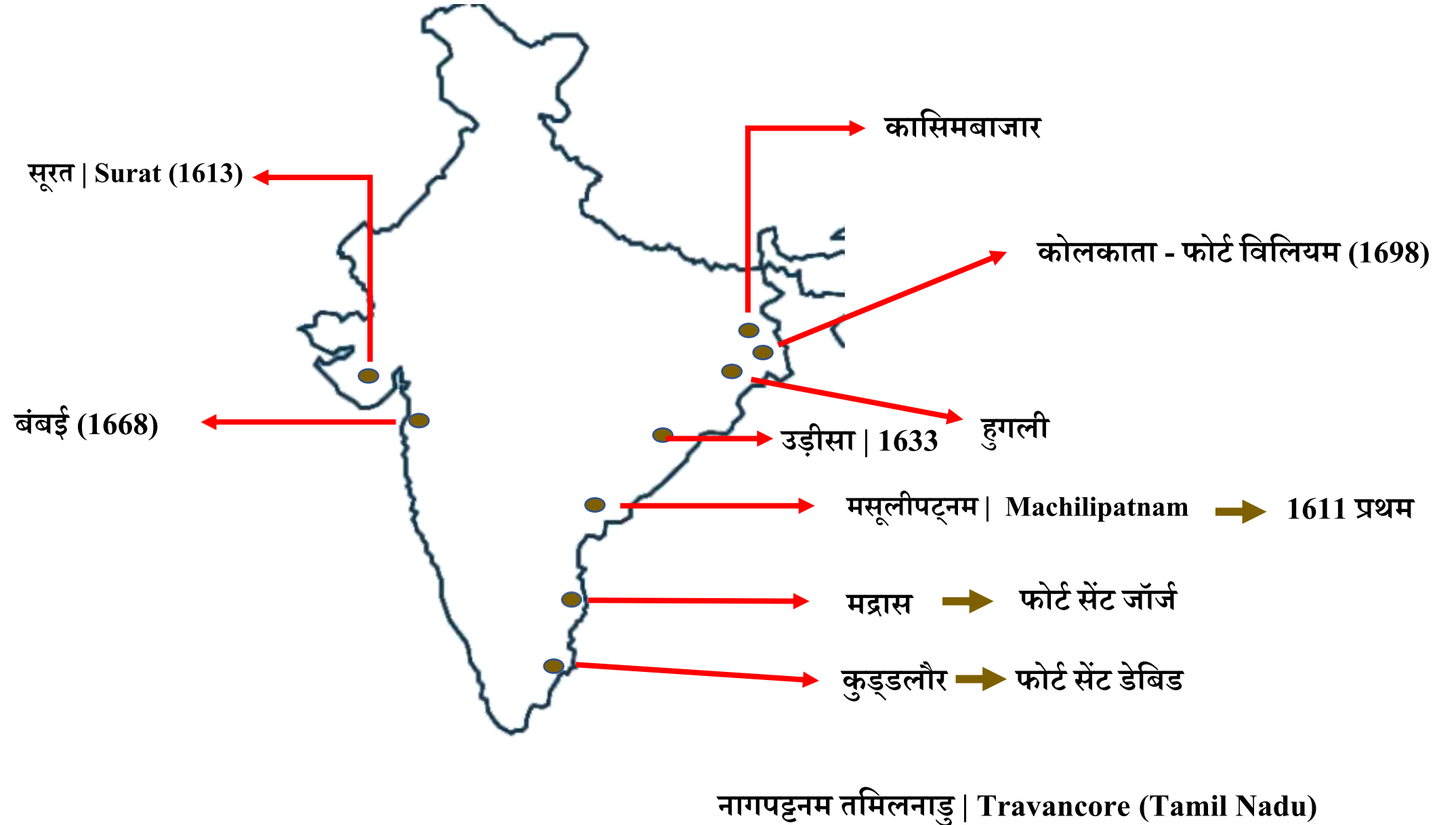
- 1) In India :-
- Akbar (1542-1605)
  - Jahangir (1605-1625)
- 2) Objective :- Profit making by Asian trade.
- 3) Other facts :-
- 1) First center in South India - Machilipatnam
  - 2) Initial Headquarter - Surat



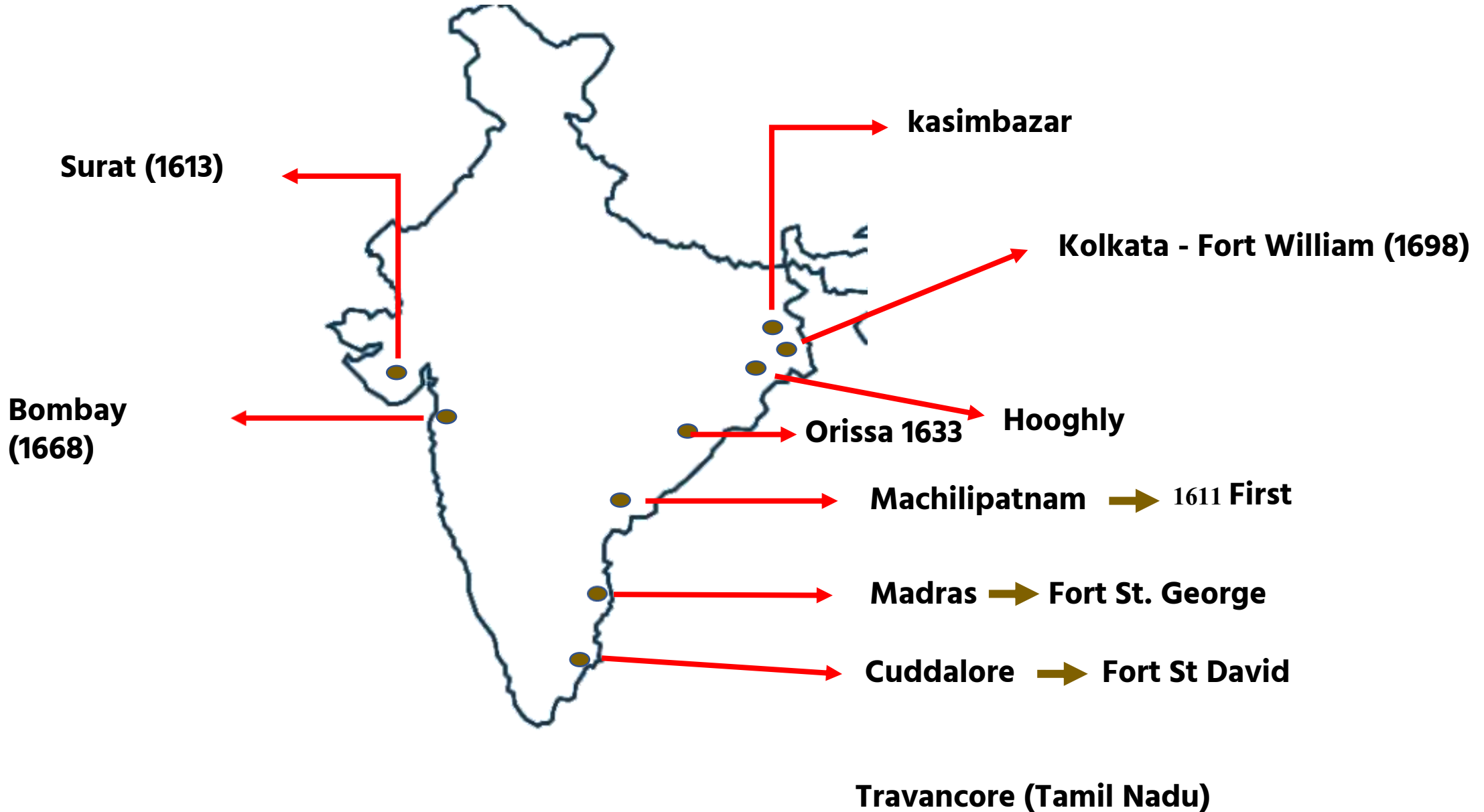
Sanjiv Mehta



## 2) मुख्य व्यापारिक केंद्र ॥ Major trading centre



## 2) Major trading centre





### 3) उत्तर भारत में विस्तार || Expansion to North India

3.1) जहांगीर काल  
(1605-1625)

3.2) औरंगजेब काल  
(1658-1707)



### 3) Expansion towards North India

3.1) Jahangir Reign  
(1605-1625)

3.2) Aurangzeb Reign  
(1658-1707)





### 3.1) जहांगीर काल (1605-1625)

#### 1) कैप्टन विलियम हॉकिंस



- 1) 24 अगस्त 1608 को मुगल बादशाह जहांगीर के दरबार में आने वाला अंग्रेज व्यापारी(आगरा)
- 2) तुर्की व फारसी में संवाद
- 3) प्रभावित होकर मुगल सम्राट ने 400 का मनसब व इंग्लिश खां की उपाधि दी
- 4) हालांकि पुर्तगाली वर्चस्व के कारण व्यापारिक वार्ता में असफल



#### 2) स्वाली का युद्ध(1612)



- 1) **स्थान :-** सूरत के निकट
- 2) पुर्तगाल नौसेना व गुजरात गवर्नर बनाम अंग्रेज
- 3) **अंग्रेजी कमांडर :-** टॉमस वेस्ट
- 4) **परिणाम :-** पुर्तगालियों की हार तथा 1613 में अंग्रेजों को सूरत में फैक्ट्री खोलने की अनुमति मिली



#### 3) सर टॉमस रो (1615-1619)



- 1) 1615 में ब्रिटिश सम्राट जेम्स प्रथम के राजदूत के रूप में जहांगीर के दरबार में आया
- 2) **उद्देश्य :-** भारत में व्यापारिक विस्तार
- 3) **परिणाम :-** मुगल साम्राज्य के प्रदेशों में फैक्ट्री खोलने की अनुमति



### 3.1) Jahangir Reign (1605-1625)

#### 1) Captain William Hawkins



- 1) English merchant visiting the court of Mughal emperor Jahangir on 24 August 1608 (Agra).
- 2) Conversation in Turkish and Farsi
- 3) Impressed, Mughal emperor gave a mansab of 400 and the title of English Khan.
- 4) However, trade negotiations failed due to Portuguese domination.



#### 2) Battle of Swally (1612)



- 1) **Location :-** Near Surat
- 2) Portugal Navy and Gujarat Governor Vs British
- 3) **English Commander :-** Thomas West
- 4) **Result :-** The defeat of the Portuguese and in 1613 the British got permission to open a factory in Surat.



#### 3) Sir Thomas Roe (1615-1619)

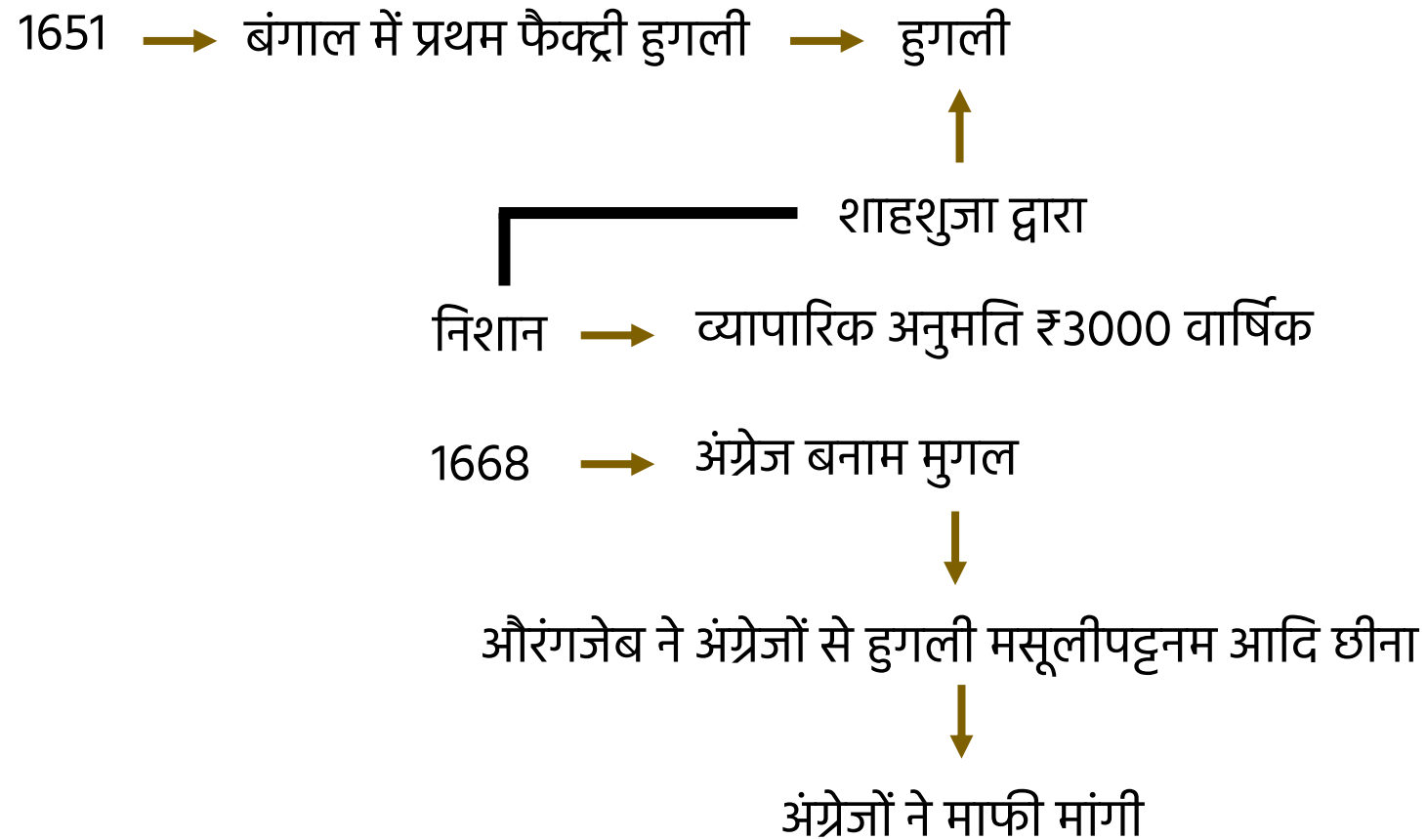


- 1) Came to Jahangir's court in 1615 as an ambassador of British Emperor James I
- 2) **Objective :-** Trade expansion in India
- 3) **Result :-** Permission to open factories in the territories of the Mughal Empire





### 3.2) औरंगजेब काल (1658-1707)



### 3.2) Aurangzeb Reign (1658-1707)

1651 → First factory Hooghly in Bengal → Hooghly



by shah-shuja

Nishan → Trade Permit ₹3000 p.a.

1668 → English vs Mughal



Aurangzeb snatched Hooghly Masulipatnam etc. from the British.

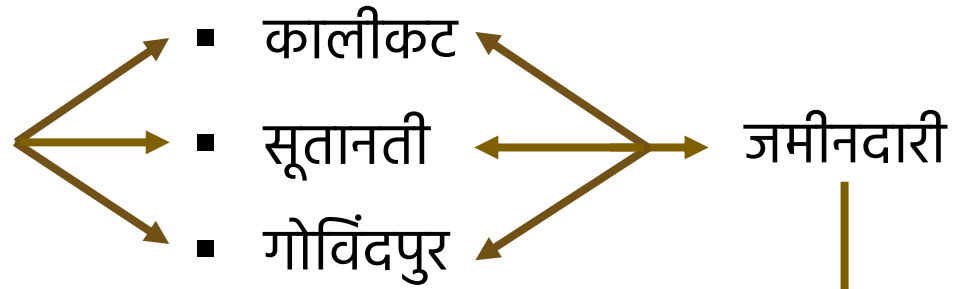


The British apologized



1698

→ बंगाल के तीन गांव



जॉब चरनॉक के द्वारा कलकाता फोर्ट विलियम की स्थापना

1717

→ फरुखसियर → शाही फरमान

- ₹3000 वार्षिक कर - बंगाल
- ₹10000 वार्षिक कर - सूरत
- बम्बई में कंपनी द्वारा ढाले गए सिक्कों को संपूर्ण मुगल राज्य में चलाने की आज्ञा मिल

जॉन सरमन मिशन व डॉक्टर हैमिल्टन

मैग्राकार्टा ऑफ कंपनी

नोट → स्वर्ण फरमान → गोलकुंडा

500 → 1632



1698

→ Three villages of bengal

- Kalikata
- Sutanuti
- Gobindapura

→ Zamindari

↓  
Establishment of Calcutta Fort William by Job Charnock

1717

→ Faruksiyar

→ Royal decree

- ₹3000 Annual Tax - Bengal

- ₹10000 Annual Tax - Surat

- In Bombay, the coins minted by the Company were allowed to run throughout the Mughal state.

↑  
John Sarman Mission and Doctor Hamilton

↓  
Magna Carta of Company

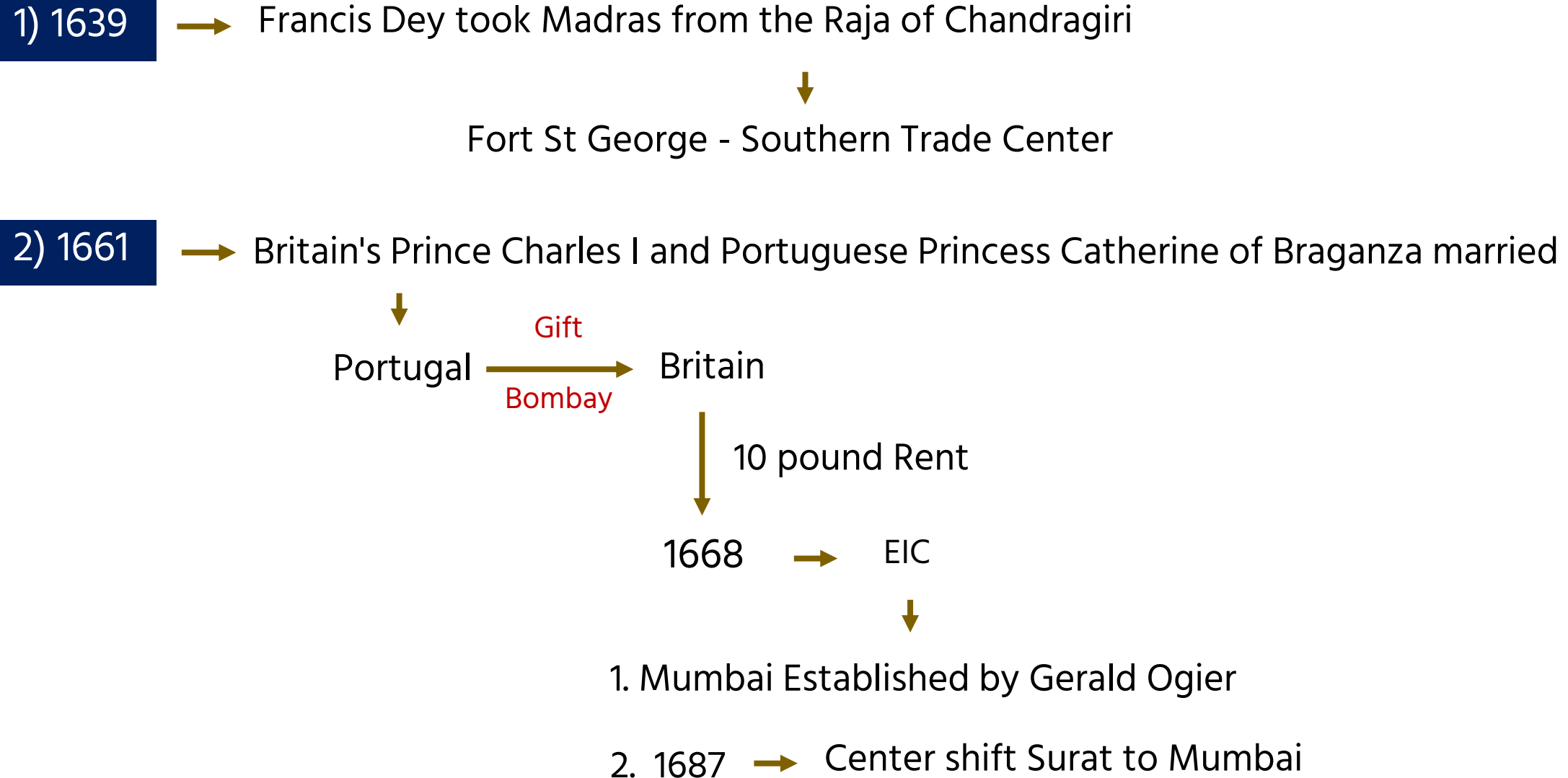
Note → Golden decree → Golkonda

↓  
500 → 1632

#### 4) दक्षिण भारत में विस्तार || Expansion to South India

- 1) 1639 → फ्रांसीस डे ने चंद्रगिरी के राजा से मद्रास लिया  
↓  
फोर्ट सेंट जॉर्ज - दक्षिण व्यापार केंद्र
- 2) 1661 → ब्रिटेन राजकुमार चार्ल्स प्रथम व पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन ऑफ ब्रेगेन्जा का विवाह  
↓  
पुर्तगाल → <sup>Gift</sup><sub>Bombay</sub> → ब्रिटेन  
↓ 10 पाउंड किराया  
1668 → EIC  
↓  
1. गेराल्ड ओगियर द्वारा मुंबई स्थापना  
2. 1687 → सूरत से मुंबई केंद्र बना

#### 4) Expansion to South India

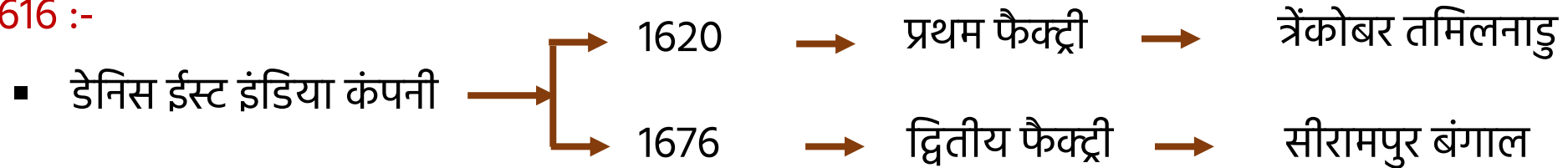


## 7) डेनिस || Danish - डेनमार्क के निवासी



1. डेनमार्क की कंपनी

2. 1616 :-



3. 1845 → अंग्रेजों को सभी फैक्ट्री बेच कर चले गए

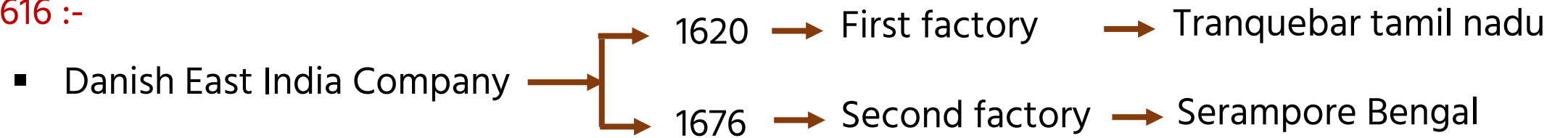


## 7) Danish - Residents of Denmark



1. Danish company

2. 1616 :-



3. 1845 → Sold all factories to the British and left

## 8) फ्रांसीसी || French

2) अन्य तथ्य

4) प्रथम कर्नाटक युद्ध

6) तृतीय कर्नाटक युद्ध

8) ब्रिटेन की सफलता के कारण

01



02



03



04



05



06



07



08



1) कंपनी की स्थापना

3) डुप्ले की नीतियां

5) द्वितीय कर्नाटक युद्ध

7) फ्रांस की असफलता के कारण

## 8) French

2) Other facts

4) First Carnatic War

6) Third Carnatic War

8) Reasons for the success of Britain

01



02



03



04



05



06



07



08



1) Establishment of Company

3) Dupleix's Policies

5) Second Carnatic War

7) Reasons for the failure of France

## 1) कम्पनी की स्थापना || Establishment of company

### फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी || Compagnie française pour le commerce des Indes Orientales (1664)

संस्थापक :-

कोल्बर्ट(लुई 14) के  
वित्त मंत्री

पूर्णतः सरकारी  
कम्पनी

प्रथम अभियान :-  
फ्रांसिस कैरो, जो  
1668 में सूरत पहुंचा

भारतीय मुख्यालय :-  
पुडुचेरी (फ्रांसिस  
मार्टिन द्वारा स्थापित)

1742 में डूप्ले के  
आगमन पश्चात  
विस्तारवादी नीति





## 1) Establishment of company

### Compagnie française pour le commerce des Indes Orientales (1664)

Founder :- Colbert  
(Louis 14) Finance  
Minister

Wholly government  
company

First Expedition :-  
Francis Caron, who  
reached Surat in  
1668

Indian Headquarters  
:- Puducherry  
(founded by Francois  
Martin)

Expansionist policy  
after the arrival of  
Dupleix in 1742



## 2) अन्य तथ्य || Other Facts

1664

- FEIC की स्थापना

1668

- फ्रांसीसी कैरो के नेतृत्व में सूरत में प्रथम फैक्ट्री

1669

- मसूलीपट्टनम में द्वितीय फैक्ट्री

1674

- वलीकोड़ापुरम के शासक से जमीन ले कर पांडिचेरी की स्थापना (संस्थापक - फ्रांसिस मार्टिन - फ्रांसीसी बस्तियों का संस्थापक)

1674

- बंगाल में चन्द्रनगर में बस्ती

1693

- यूरोप में डच फ्रांस युद्ध के कारण डचों ने पांडिचेरी छीना

1697

- रिजविक की सन्धि द्वारा फ्रांस को पांडिचेरी वापस मिला

1721

- मॉरीशस

1724

- माहे

1739

- कराईकल

1742

- डूप्ले फ्रांसीसी गवर्नर बना तथा भारत में फ्रांसीसी साम्राज्यवादी नीति का आरम्भ

## 2) Other Facts

1664

- Establishment of FEIC

1668

- First factory in Surat under the leadership of Francis Caron

1669

- Second Factory in Machilipatnam

1674

- Establishment of Pondicherry by taking land from the ruler of Valikodapuram (Founder – Francis Martin – Founder of French Settlements)

1674

- Colony in Chandranagar in Bengal

1693

- Dutch captured Pondicherry due to Dutch-France war in Europe

1697

- Pondicherry was returned to France by the Treaty of Ryswick.

1721

- Mauritius

1724

- Mahe

1739

- Karaikal

1742

- Dupleix became the French governor and started the French imperialism policy in India.